

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे
एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)
सत्र – ४
परीक्षा : मई – २०२५
विषय : आधुनिक काव्य (भाग-२) (HDS - 401)

दि.: ०२/०५/२०२५

कुल अंक : १००

समय : दो २.०० से दो ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'ग्राम्या' काव्य संग्रह में चित्रित मानव जीवन पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
- प्र. २ 'ग्राम्या' में चित्रित ग्राम के विभिन्न चित्र एवं प्रसंगों पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ३ 'ग्राम्या' काव्य रचना का काव्यकला की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।
- प्र. ४ कवि अज्ञेय की पठित कविताओं की विशेषताएँ लिखिए।
- प्र. ५ कवि मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।
- प्र. ६ कवि रघुवीर सहाय की कविता 'दे दिया जाता हूँ' के कथ्य एवं व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ७ 'जहाँ शब्द है' काव्य संग्रह की कविताओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए।
- प्र. ८ 'जहाँ शब्द है' काव्य संग्रह में कवि ने सामाजिक कुरूपताएँ विसंगतियों एवं दिखावटी पन पर किस प्रकार व्यापक व्यंग्य किया है?
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।
- १) मिट्टी से भी मटमैले तन,
अधफटे कुचैले जीर्ण वसन,
ज्यों मिट्टी के ही बने हुए,
ये गँवई लड़के भू के धन।
- २) होंगी क्या गीताजी पढ़ने से
स्थिर मति ये?
लाखों करोड़ों अनिकेत इस देश में?
- ३) कितनी शांति! कितनी शांति,
क्यों समाहित होती नहीं, यहाँ
आकर मेरे मन की क्रांति?
- ४) मृण्मय काया जड़ थी, उस सत में
चित की बाती क्यों डाली?
ऊपर से अंधे मन में यह ललक
जगा दी, देखोगे दीवाली?
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) ग्राम वधू की विशेषताएँ
- २) 'बावरा' अहेरी कविता: कथ्य
- ३) 'गतिरोध' - कविता में कविता की व्यथा
- ४) 'संप्रति' कविता में व्यक्त चिंता।